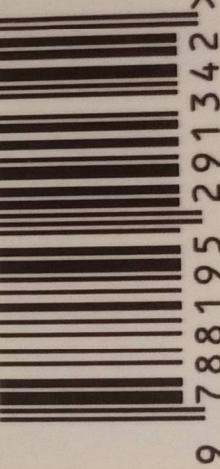


“हरि अनंत, हरि कथा अनंता।
कहहिं सुनहि, बहु विधि सब संता॥”

जगत्पावनी श्रीराम कथा व्यापक लोकमंगलकारी, सारणभित एवं उदात आदशों से समन्वित है। यह कथा शताब्दियों से विभिन्न दाशनिकों, चिंतकों तथा विद्वानों द्वारा प्रस्तुत की जाती रही है। यह काल से परे एवं सदा ही प्रासंगिक रहने वाली कथा जनमानस को अधिसंचित करती रही है तथा आगे भी करती रहेगी। शाश्वत मूल्यबोध, युगबोध और जीवन मूल्यों को संजोये रामकथा अथवा राम साहित्य प्रेरणा की, मर्यादा की अजस्त्र प्रवाहिनी सदृश है जिसमें अवगाहन करने मात्र से चिंतन में विस्तृति आती है।

‘विश्व में राम’ देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों से ग्राम राम साहित्य विषयक शोध-आलेखों का संकलित रूप है। विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित रामकथा, रामाश्रित काव्य एवं नाटक, उपन्यास, चित्र आदि बहुविध विषयवस्तु को समेटे यह पुस्तक इस चुनौतीपूर्ण समय में हमें बेहतर जीवन की दिशा दिखा पाएगी, ऐसी उम्मीद करते हैं। यह पुस्तक हिंडी विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का अमृत-तत्व है, जो सभी सुधिजनों के लिए प्रस्तुत है।

LITERATURE
ISBN 978-81-952913-4-2



9 788195 291342 >
www.quignog.com
A PIRATES Imprint.



QUIGNOG

Artwork by
Kailash Raj
Artist, Jaipur

10. गुजराती साहित्य में रमणलाल सोनी कृत

'भी रामकथा सुधा' का स्थान
डॉ. जशवंतभाई डी. पंड्या

11. वैचिक परिदृश्य में रामकथा- विविध राग

सुनील पाठक

12. वर्तमान युग में रामकथा की प्रासंगिकता

डॉ. श्रेष्ठा उपाध्याय

13. भुशुच्छि रामायण का वैशिष्ट्य

डॉ. राजेश श्रीचास्तव

14. तुलसी काव्य में समन्वय

डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह,

15. आधुनिक कविता और रामायण के विविध संदर्भ

डॉ. नीतू परिहार

16. रामायण: एक नहीं अनेक (रामानन्द सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में)
महेश शर्मा (शास्त्री कोसलेन्द्रदास)

17. राम साहित्य में राम की वियोग-अभिव्यंजना

डॉ. प्रीति भट्ट

18. आधुनिक काव्य में रामकथा का बदलता स्वरूप

डॉ. कुलवंत सिंह

19. रामकथा और राधेश्याम रामायण

डॉ. नवीन नंदवाना

20. पंजाब में रचित राम काव्य की अज्ञात एवं अल्पज्ञात पांडुलिपेयाँ
(भाई गुरदास पुस्तकालय का संदर्भ)

डॉ. सुनीता शर्मा

21. रामकथा के कितने नाम
डॉ. आशीष सिसोदिया

किश्चित् में

राम



संपादक
डॉ नीता त्रिवेदी